OM-4- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 26/04/2021 1:55 PM Page 1

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -23 अंक - 04 मई -II-2021 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

उपलब्धि | कोरोना काल में तन व मन के स्वास्थ्य की समस्याओं को दूर कर रहा ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति नायडू व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर ने जारी किया दादी जानकी का पोस्टल स्टाम्प

ओम शान्ति मीडिया | शांतिवन

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने समाज की कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह संस्था केवल समाज में नहीं, बल्कि मन में शांति के लिए कार्य कर रही है। वर्तमान कोरोना काल में तन और मन के स्तर पर स्वास्थ्य को लेकर तमाम तरह की समस्याओं से गुज़र रहे लोगों को मानसिक स्तर पर शांति देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। उक्त उद्गार भारत के उपराष्ट्रपति वेकैंय्या नायडू ने व्यक्त किये। उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में दादी जानकी पर डाक टिकट जारी करते हुए उन्होंने ये भी कहा कि भारत की स्पीरिचुअल टीचर दादी जानकी का आवाज़ पूरे विश्व में सुना है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पूरे विश्व में मूल्यों और संस्कृति के लिए जाना जाता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने महिलाओं के समान, सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किये हैं और कर रहा है। समाज में व्याप्त वाद और तमाम तरह की सामाजिक विकृतियों को सहज और सरल भाषा में दूर कर रहा है। इससे समाज में शांति और सौहार्द पैदा होती है। भारतीय मूल्य और परम्परा को पूरे विश्व में जीवंत किया है। दादी जानकी का जीवन हमेशा लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा। कार्यक्रम में सूचना एवं टेलीकम्युनिकेशन केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पोस्टल डिपार्टमेंट महान लोगों के सम्मान में डाक टिकट जारी करता है। लेकिन आज वास्तव में पोस्टल डिपार्टमेंट का सम्मान बढ़ गया है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने विश्व में संस्कृति को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीबीआई के पूर्व निदेशक डी.आर. कार्तिकेयन ने कहा कि दादी का जीवन और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के आदर्श के रूप में जाना जाता रहा है।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने विश्व में भारतीय संस्कृति को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

उपराष्ट्रपति वेकैंय्या नायडू तथा रविशंकर प्रसाद ने उपराष्ट्रपति भवन में दादी जानकी का पोस्टल स्टाम्प जारी किया।

नारी सशक्तिकरण के लिए जाना जायेगा आज का दिन

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका ब्र.कु. आशा, तथा कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युजंय ने कहा कि आज का दिन नारी सशक्तिकरण के लिए भी जाना जायेगा। क्योंकि पूरे विश्व में सामाजिक उत्थान के लिए जिस तरह से दादी ने काम किया, उनकी याद में डाक टिकट जारी करना बेहद सम्मान की बात है।

कार्यक्रम में जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा जीवन प्रबन्धन के बारे में भी टिप्स दिये। इस अवसर पर दादी जानकी की निजी सचिव रही ब्र.कु. हंसा, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. जेमिनी,लंदन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति वेकैंय्या नायडू तथा केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने दादी जानकी का पांच रूपये का डाक टिकट जारी किया।

संसार की सबसे स्थितप्रज्ञ योगी दादी जानकी की मनाई प्रथम पुण्यतिथि

इंदौर-म.प्र. | 104 वर्ष की आयु तक 140 देशों में यात्रा कर लाखों मनुष्यात्माओं के जीवन में आध्यात्मिकता का प्रकाश फैलाने वाली संसार की सबसे स्थित प्रज्ञ राजयोगिनी दादी जानकी की प्रथम पुण्यतिथि पर ज्ञान शिखर,ओम शांति भवन में आयोजित कार्यक्रम में दादी को सुमनांजलि अर्पित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि दादी जानकी को परमात्मा शिव ने ईश्वरीय ज्ञान में आते ही 'जनक बच्ची' का टाइटल दिया। जिस प्रकार राजा जनक की कहानी सुनाते हैं कि वे राजमहल में रहते भी ऋषि की तरह रहे, महल उनके अंदर नहीं बसा, इसी प्रकार दादी जानकी ने दो शब्दों में 'मैं कौन और मेरा कौन' अर्थात् मैं आत्मा सृष्टि चक्र में सर्वश्रेष्ठ पार्टधारी हूँ और मेरा एक ईश्वर पिता ही सर्वस्व है। दो शब्दों में सारे ज्ञान का सार अपने जीवन में समाकर एक भगवान के साथ इतना गहन रिश्ता जोड़ लिया कि बड़े-बड़े वैज्ञानिकों ने उनके मन का परीक्षण कर उन्हें संसार की सबसे स्थित प्रज्ञ योगी का खिताब दिया।

दादी के सम्पर्क में आने से ही शांति, प्रेम और खुशी की होती थी अनुभूति

पूर्व महापौर डॉ. उमाशशि शर्मा ने दादीजी के साथ का संस्मरण सुनाते हुए कहा कि मैं आज से पैंतीस वर्ष पूर्व लंदन में दादीजी के सम्पर्क में आई तो मैंने महसूस किया कि दादी आध्यात्मिक शक्ति से सम्पन्न हैं, उनके सम्पर्क में आते ही हरेक को शांति, प्रेम, खुशी और अपनेपन की अनुभूति होती थी। कितने भी तनावग्रस्त लोग तनावमुक्त हो जाते थे। दादीजी का जीवन सबको निःस्वार्थ भाव से दाता बन बांटने के लिए ही था। कुषाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर के पूर्व कुलपति डॉ. मानसिंह परमार ने कहा कि माउण्ट आबू में मीडिया सम्मेलन में मुझे कई बार दादी से मिलने का सुअवसर मिला। दादीजी सदा ही पत्रकारिता में मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देती थीं। उन्होंने पश्चिम देशों में ईश्वरीय सेवाओं का जो विस्तार किया वह बेमिसाल है। उन्होंने जानकी फाउण्डेशन के माध्यम से अनेकों लोक कल्याण का कार्य किया। ब्र.कु. अनीता ने कहा कि दादीजी एक आध्यात्मिक लीडर के रूप में ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग को विश्व के अनेकानेक देशों में फैलाने की सशक्त माध्यम बनीं। इसलिए दादीजी की पुण्य तिथि(27 मार्च) को सारे विश्व में 'वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस' के रूप में मनाया जायेगा।

मौके पर सभी भाई-बहनों ने मौन द्वारा दादीजी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. उषा ने किया।